

छपद पुं. (तद्.) भ्रमर या भौरा, षट्पद (छह पैरों वाला)।

छपन वि. (देश.) 1. लुप्त, गायब, गुप्त पुं. विनाश, नाश, संहार।

छपना अ. क्रि. (देश.) 1. छापा जाना 2. अंकित होना 3. मुद्रित होना जैसे- आजकल पुस्तक छपना काफी सरल हो गया है 4. चेचक का टीका लगाना।

छपरा पुं. (देश.) 1. बाँस, फूस से बना खाली स्थान को ढकने के लिए छप्पर 2. बाँस का टोकरा जो पत्तों से मढ़ा होता है और जिसमें तमोली पान रखते हैं 3. बिहार प्रदेश का एक जिला और नगर जिसको सारन भी कहते हैं।

छपरी स्त्री. (देश.) झोपड़ी, मढ़ी।

छपा स्त्री. (देश.) 1. रात्रि (क्षपा) 2. हरिद्रा (हल्दी)।

छपाई स्त्री. (देश.) छापा खाने में होने वाला छपने का काम, मुद्रण, अंकन 2. छापने का ढंग 3. छापने की मजदूरी।

छपाकर पुं. (देश.) 1. क्षपाकर (चंद्रमा) या चाँद 1. कपूर

छपाका पुं. (अनु.) 1. पानी पर किसी चीज के गिरने की आवाज 2. जोर से उछालकर फेंका गया पानी, तरल वस्तु का छींटा।

छपाना स. क्रि. (देश.) 1. छापने का काम करना 2. चिह्नित कराना, अंकित कराना 3. मुद्रित कराना 4. चेचक का टीका लगवाना।

छप्पन वि. (तद्.) जिस संख्या में पचास और छह हो, संख्या पचास में मिली छह संख्या इसका सूचक अंक है- 56 मुहा. छप्पन टके का खर्च- अधिक खर्च; छप्पन छुरी- सौंदर्य और शृंगार से मादक आकर्षण वाली छलकपट पूर्ण स्त्री; छप्पन भोग- छप्पन प्रकार के बहुत अधिक स्वादिष्ट भोजन 2. चतुर, चुस्त चालाक।

छप्पय पुं. (तद्.) एक मात्रिक छंद जिसमें छह चरण होते हैं विशेष. इस छंद में पहले रोला के

चार पद, फिर उल्लाला के दो पद होते हैं, लघु गुरु के क्रम से इस छंद के 71 भेद होते हैं।

छप्पर पुं. (देश.) 1. बाँस या लकड़ी की फट्टियों और फूस आदि की बनी हुई छाजन जो मकान के ऊपर बनाई जाती है, छाजन, छान मुहा. छप्पर पर रखना- दूर रखना, अलग रखना; छप्पर पर फूस न होना- अत्यंत निर्धन होना; छप्पर फाड़ कर देना- देव योग से बिना श्रम किए आवश्यकता से अधिक धन मिलना प्रयो. ईश्वर जब देता है तो छप्पर फाड़कर देता है; छप्पर रखना- एहसान रखना, उपकृत करना 2. छोटा ताल या गड़ढा, तलैया, पोखरा।

छबड़ा पुं. (देश.) बाँस का बना डाला या टोकरा, झाबा।

छबि स्त्री. (तद्.) शोभा, सुंदरता।

छबीला वि. (देश.) शोभा युक्त, सुहावना, सुंदर, सजधज कर, बाँका।

छब्बीस वि. (तद्.) जो बीस और छह की मिली संख्या हो।

छमंड पुं. (देश.) बिना माँ-बाप का बच्चा, अनाथ।

छम स्त्री. (अनु.) 1. घुँघरु आदि के बजने का शब्द 2. पानी बरसने की ध्वनि वि. शक्तियुक्त, क्षमयुक्त, समर्थ, सक्षम।

छमक स्त्री. (देश.) चाल ढाल की बनावट, ठसका, ठाट-बाट।

छमकना अ. क्रि. (अनु.) 1. घुँघरु आदि हिलाकर छम-छम करना 2. गहने आदि बजाना, गहनों की झनकार 3. स्त्रियों द्वारा ठसक दिखाना।

छमछम स्त्री. (अनु.) 1. पैर में पहने हुए घुँघरु या गहनों के बजने से होने वाला शब्द 2. जलवृष्टि से होने वाली ध्वनि।

छमछमाना अ. क्रि. (अनु.) 1. छम-छम शब्द करना 2. छम-छम शब्द करके चलना।

छमाछम स्त्री. (अनु.) 1. गहनों के बजाने का शब्द 2. पानी बरसने का शब्द क्रि. वि. छम-छम की निरंतर ध्वनि, लगातार छम-छम शब्द के साथ।